(ख) क्या यह सच है कि अन्य राज्यों के हज यात्रियों की तुलना में मध्य प्रदेश के हज यात्रियों की संख्या कम थी ; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

प्रधान मंत्री, अणु शक्ति मंत्री, योजना मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्रीमती इंदिरा गांधी) : (क) 1967 के दौरान कुल मिलाकर 15,544 यात्री हज के लिये गये थे । इन मे से 395 हज यात्री मध्य प्रदेश के थे।

(ख) और (ग). संबद्ध राज्यों के मुस्लिम आबादी के आधार पर हज की सीटें निर्धारित की जाती हैं। इसलिये मध्य प्रदेश के हज यात्रियों के लिये निर्धारित सीटें उन राज्यों के मुकाबले कम होनी ही थीं जिनकी मुस्लिम आबादी ज्यादा है, और उन राज्यों को दी जाने वाली सीटों से ज्यादा हो जाती थीं जिनमे मुस्लिम आबादी कम है ।

12 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Death of Shri Deen Dayal Upadhyaya

SHRI KANWAR LAL GUPTA (Delhi Sadar): The hon. Minister who has to reply to my notice is not here.

I call the attention of the Minister of Home Affairs to the following matter of urgent public importance and I request that he may make a statement thereon:—

"The tragic death of Shri Deen Dayal Upadhyaya, President of the Jan Sangh.".

श्री हुकम चन्द कछवाय (उज्जैन) : गृह-मंत्री सदन मे नहीं हैं । यह सदन का अपमान है । प्रधान मंत्री इसका जवाब दें ।

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND COMMUNICATIONS (DR. RAM SUBHAG SINGH): He is in the Rajya Sabha and he will be coming soon.

THE PRIME MINISTER, MINISTER OF ATOMIC ENERGY, MINISTER OF PLANNING AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI INDIRA GANDHI): He will be here in a minute.

DR. RAM SUBHAG SINGH: Anyhow, I shall read out the reply.

Shri Deen Dayal Upadhaya President of Bhartiya Jana Sangh, was found dead near Mughalsarai Railway Station in the early hours of February 11, 1968. The U.P. Police are investigating the circumsatnces of the tragic death of this eminent public leader who had made a notable contribution to the political life of the country. The Central Government made the services of three experts in forensic science available to the investigating authorities on 12th February, 1968. At the request of the Chief Minister, Uttar Pradesh, it has now been decided to entrust the investigation to the Central Bureau of Investigation and a D.I.G of the Bureau is proceeding immediately to the scene of occurence. The House will appreciate that notwithstanding the deep anxiety felt by large number of people it is not possible for me to say anything at this stage about the cause of Shri Upadhyaya's death.

श्री कंवलरलाल गुप्त : श्री उपाध्याय का अन्त बहुत मिस्टीरियस सर्कमस्टांसिज में हुआ है । यह किसी पोलीटिकल पार्टी का सवाल नहीं है । मेरा तो यह निश्चित मत है कि यह कोई एक्सिडेंट नहीं है, यह मडर है । अगर यह ट्रेंड देश में कुछ और बढ़ गया तो फिर कोई भी पोलीटिकल वर्कर यहां पर सेफ नही होगा और किसी भी बड़े से बड़े आदमी को हटाने के लिए केवल

एक पागल आदमी की जरूरत होगी । इस लिए सभी पोलोटिकल पार्टीज और डैमोक्रेसी को यह एक चेलेंज है । मैं इस बात का स्वागत करता हूं कि गृह मंत्री ने हमारी और सारे देश की भावनाओं की कद्र की है और इस बात को स्वीकार किया है कि यू० पी० गवर्नमेन्ट के साथ साथ सैन्ट्रल गवर्नमेन्ट भी हाई लेवल पर एक अलग एन्क्वायरी करेगी ।

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI Y. B. CHAVAN): May I explain the point? There is one thing that we shall have to understand very clearly. These investigations are to be made under the Criminal Procedure Code. There cannot be double investigation; there cannot be many investigations, and these investigations have normally to be undertaken by an authority which is responsible for law and order.

In this matter, the senior UP officers had already undertaken investigations. But I say the feeling in this House that the Central Government also should take interest in this matter. I was very pleased to find that the Chief Minister of UP was also thinking on the same lines. When I talked to him last night, he said that he would welcome some representative of the CBI taking over the investigations. So, a senior officer of the CBI has been nominated, and he will immediately go there, and the team will investigate, and the officers there will also help him; it will be a single team for investigation. Let there be no misunderstanding about it.

I could very well understand the hon. Member's anxiety and his feeling, and in fact, all of us share that feeling. But till the investigations are complete, it will be very difficult for me to express any opinion about the cause of the death.

श्री कंवरलाल गुप्त : मंत्री महोदय ने जो कुछ कहा है, मैं उस का स्वागत करता हूं । मैं समझता हूं कि इस मामले की जांच के लिए जितना मैं और मेरी पार्टी के लोग कीन हैं, उतने ही गृह मंत्री भी कीन हैं । लेकिन मैं उन का ध्यान केवल एक बात की तरफ दिलाना चाहता हूं । इस सम्बन्ध में रेलवे डिपार्टमेन्ट की भी जिम्मेदारी आती है, क्योंकि श्री उपाध्याय की डेड बाडी रेलवे यार्ड में मिली और यह जो मर्डर हुआ या अक्सिडेंट हुआ इस को जो कुछ भी कहा जाय वह रेलवे के क्षेत्र में हुआ । रेलवे डिपार्टमेन्ट को बहुत देर बाद, पांच घंटे बाद पता चला कि यह श्रीदीन दयाल उपाध्याय की लाश है । मैं समझता हूं कि इस मामले में थोड़ी लापरवाही बरती गई है । आईन्दा इस प्रकार की कोई घटना न हो इस के लिए रेलवेज को कोई एक्स्ट्रा प्रीकाशन लेनी चाहिए । मैं गृह मंत्री से यह भी पूछना चाहता हूं कि वह इस प्रकार की पोलीटिकल पर्सनेलिटीज की रक्षा के लिए क्या एक्स्ट्रा कार्यवाही करेंगे, ताकि इस तरह की घटना भविष्य में न हो ।

SHRI Y. B. CHAVAN: Naturally, all those things can be looked after, once the investigations disclose the facts. It is only then that this question would arise. Supposing there are some steps that the railways will have to take, naturally they will have to take the necessary steps.

श्रीमती लक्ष्मीकान्तम्मा (खम्मम) : श्री दीन दयाल उपाध्याय देश के एक अनमोल रत्न थे । इस प्रकार से उन की मृत्यु होना देश के लिये दुर्भाग्य का विषय है । मैं यह जानना चाहती हूं कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सरकार क्या कार्यवाही करने जा रही है । क्या वह विभिन्न दलों के मुख्य नेताओं के लिए कुछ सिक्युरिटी एरेंजमेन्ट करने की कोशिश करेगी ?

SHRI Y. B. CHAVAN: This is a suggestion.

MR. SPEAKER: Shri P. K. Deo.

श्रीमती लक्ष्मी कान्तम्मा : अध्यक्ष महोदय, इस प्रश्न में क्या गलती है ? मंत्री महोदय जवाब देने के लिए तैयार हैं। आप उन को जवाब देने का अवसर दीजिये।

SHRI Y. B. CHAVAN: If the suggestion is that we should give security protection to all he members of all the political parties, I would say that certainly those who ask for protection can be provided with it.

श्रीमती लक्ष्मीकान्तम्मा : मैंने सब के लिए नहीं, मुख्य नेताओं के लिए सिक्यारिटी एरेंजमेंट के बारे में पूछा है।

MR. SPEAKER: He has said that it will be considered.

SHRI P. K. DEO (Khalahandi): Without putting any question which may affect the investigaions, I would like to know whether an time limit has been fixed by which the report of the investigation will be available to the House?

SHRI Y. B. CHAVAN: Since it is such an important case, naturally it is expected that it will be very expeditiously dealt with. But it will be very difficult to say that we should fix a time limit for the submission of the report.

SHRI NATH PAI (Rajapur): But it should be faster than in the case of Kairon's murder.

SHRI Y. B. CHAVAN: I hope so.

श्री श्रीचन्द गोयल (चण्डीगढ़) : क्या यह सत्य है कि उस समय जब कि श्री उपाध्याय प्रवास कर रहे थे इस फ़र्स्ट क्लास की बोगी में कोई एटेंडेन्ट भी नहीं था ? क्या यह भी सत्य है कि श्री उपाध्याय का बिस्तर गुम है ? मैं यह भी जानना चाहता हूं कि जब अधिकारियों को 3-25 बजे इस लाश के बारे में पता चल गया था तो उन्होंने कब यह समाचार भेजा कि इस बोगी को सील कर दिया जाय, जिस में श्री उपाध्याय का सामान था। जैसा कि भूतकाल में भी ऐसी महत्वपूर्ण जांचों के सम्बन्ध में हुआ है क्या सरकार इस घटना की जांच के लिए स्काटलैन्ड यार्ड और दुनियां के माने हुये अन्य जासूसी विभागों या दलों की भी सेवा लेने की कोशिश करेंगी ?

SHRI Y. B. CHAVAN: The Hon. Member is going into some of the details. I cannot say any thing about that matter unless the investigations are complete.

MR. SPEAKER: That is exactly the point to be inquired into now.

श्री विश्वनाथ पाण्डेय (सलेमपुर) : श्री दीन दयाल उपाध्याय का की दुखद मृत्यु एक विशेष दुर्घटना है। मैं इस बात का स्वागत करता हूं कि केन्द्रीय सरकार इस की जांच में विशेष रुचि ले रही है। मैं यह जानना चाहता हूं कि इस की जांच के लिये जिस समिति का गठन किया गया है, क्या उस में रेलवे विभाग के कोई उच्चाधिकारी भी हैं या नहीं। क्योंकि विशेष घटना यह है जो रेलवे यार्ड में हुई।

श्री यशवन्त राव चव्हाण : यह समझना चाहिए कि यह कोई एन्क्वायरी कमीशन नहीं है। यह इन्वेस्टीगेशन है और इन्वेस्टीगेशन यह पुलिस वालों को करना होगा। वह आवश्यक हो तो रेलवे वालों के साथ भी बातचीत करेंगे और उन के साथ जांच करेंगे।

12.09 hrs.

MOTION FOR ADJOURNMENT

Disturbances in Assam

MR. SPEAKER: As I said yesterday, I have received a number of notices of adjournment motions. Naturally we cannot take up all of them.